# यूपीएससी लक्ष्य

# प्रीलिम्स टेस्ट सीरीज़

## "पूर्ण आत्मविश्वास के साथ प्रीलिम्स उत्तीर्ण करें"

# टेस्ट सीरीज़ में पूरे वर्ष में फैले 100+ टेस्ट शामिल होंगे। टेस्ट तीन चरणों में आयोजित किए जाएंगे।

## वषिय-वशिष्ट टेस्ट

**20 फुल लेंथ टेस्ट (जिनमें 4 सीसैट टेस्ट शामिल हैं)**

इस चरण में, आप विषयों की मूलभूत समझ विकसित कर सकेंगे और बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQs) को हल करने की तकनीकों को सीख सकेंगे।

## वषियवार आधारति टेस्ट (DBT)

**75+ हाफ-लेंथ सामान्य अध्ययन (GS) टेस्ट**

इस चरण में, आप पाठ्यक्रम के स्टैटिक भाग का पूरी तरह से रिवीज़न कर सकेंगे तथा एक वर्ष से अधिक के करेंट अफेयर्स को कवर कर सकेंगे।

## सम्युलेटर टेस्ट

**8 सामान्य अध्ययन (GS) टेस्ट + 8 सीसैट (CSAT) टेस्ट**

इस चरण में, आप यूपीएससी सिविल सेवा प्रीलिम्स 2026 के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQs) का अभ्यास कर सकेंगे। प्रश्न पत्र यूपीएससी की परीक्षा शैली की तर्ज पर तैयार किया जाएगा, जिससे आप परीक्षा के लिए पूर्णतः तैयार हो सकें।

**नोट:**

आपको 70 से अधिक रिकॉर्डेड सीसैट कक्षाओं की भी सुविधा प्राप्त होगी, जिनमें अभ्यास प्रश्न भी शामिल होंगे, ताकि आप प्रीलिम्स हेतु सीसैट के लिए पूरी तरह से तैयार हो सकें।

76-4000-3000

# UPSC IAS प्रीलिम्स टेस्ट सीरीज़ 2026

## [100+ टेस्ट, 6500+ बहुविकल्पीय प्रश्न, चर्चा वीडियो, समर्पित CSAT टेस्ट]

हमारी 2024 की UPSC प्रीलिम्स टेस्ट सीरीज़ एक मील का पत्थर साबित हुई, जिसमें लगभग 65 प्रश्न सीधे UPSC CSE 2024 परीक्षा में पूछे गए। यह उल्लेखनीय सफलता इस बात का प्रमाण है कि हमारी टेस्ट सीरीज़ अभ्यर्थियों को इस कठिन परीक्षा के लिए प्रभावी ढंग से तैयार करती है। 2025 में, StudyIQ प्रीलिम्स टेस्ट सीरीज़ में भाग लेने वाले अभ्यर्थी केवल हमारे कार्यक्रम से जुड़कर 110 से अधिक अंक प्राप्त कर सकते थे, जो 90 अंकों की कटऑफ से काफी ऊपर था। अब हम 2026 UPSC CSE प्रीलिम्स टेस्ट सीरीज़ की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं। यह सीरीज़ विशेष रूप से 2026 की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए तैयार की गई है, यह आपके सतत अध्ययन को मजबूती देती है और अंतिम समय की तैयारी के तनाव को पूरी तरह समाप्त करती है। StudyIQ से जुड़ें और अपनी UPSC यात्रा में आगे रहें!

76-4000-3000

# प्रीलिम्स टेस्ट सीरीज़ की प्रमुख विशेषताएँ

## रिकॉर्डेड टेस्ट परिचर्चा

प्रत्येक टेस्ट हल करने के उपरांत, विषय विशेषज्ञों द्वारा संचालित विस्तृत चर्चाओं तक पहुँच प्राप्त करें। यह आपके प्रश्न हल करने की रणनीतियों की गहन समझ, जटिल अवधारणाओं की स्पष्टता और भ्रमों के निवारण में सहायक सिद्ध होगा। यह ज्ञानवर्धक संसाधन आपकी विषयवस्तु की समझ को बढ़ाता है, जिससे आप अपने प्रदर्शन का विश्लेषण कर सकते हैं, अपनी क्षमताओं की पहचान कर सकते हैं तथा सुधार के बिंदुओं को चिन्हित कर सकते हैं।

1

## यूपीएससी अनुरूप टेस्ट

2

हमारे प्रीलिम्स के टेस्ट यूपीएससी के मानकों के अनुसार अत्यंत सावधानीपूर्वक तैयार किए गए हैं, जो कथनों, विकल्पों तथा उत्तरों की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हैं। प्रत्येक प्रश्न के विस्तृत व्याख्या Study IQ प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगे, जो विभिन्न विषयों में आपकी मौलिक समझ को सुदृढ़ करेंगे।

## रणनीतिक प्रश्न हैक्स

अभ्यर्थियों को अमूल्य कौशल से सुसज्जित करते हुए, अनेक प्रश्नों के साथ "प्रश्न हैक्स" प्रदान किए गए हैं। ये विधियाँ वैकल्पिक ज्ञान, अनुमान और विलोपन युक्तियों के उपयोग को सक्षम करती हैं, जो प्रभावी ढंग से प्रश्नों को हल करने में सहायक होती हैं।

3

## समग्र सीसैट मूल्यांकन

4

सीसैट (CSAT) के लिए विशेष टेस्ट समाहित किए गए हैं, जो छात्रों को अपनी तैयारी का मूल्यांकन करने और उसे परिष्कृत करने की सुविधा प्रदान करते हैं। ये समर्पित टेस्ट छात्रों को उनकी सीसैट तैयारी के स्तर को परखने और आवश्यक सुधार हेतु मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

## करेंट अफेयर्स का समावेश

प्रीलिम्स में करेंट अफेयर्स के महत्त्व को स्वीकारते हुए, प्रत्येक टेस्ट में इस आवश्यक घटक को सम्मिलित किया गया है।

5

## समग्र तैयारी

6

परंपरागत अध्ययन से आगे बढ़ते हुए यह टेस्ट सीरीज़ बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाती है, जिसमें विश्लेषणात्मक क्षमता, वैकल्पिक तर्कशक्ति एवं विषय पर गहन पकड़ का विकास करती है।

## प्रगतिशील चरण

यह टेस्ट सीरीज़ प्रगतिशील चरणों में विभाजित है, जो अध्ययन एवं अभ्यास को इस प्रकार संरचित करती है कि सशक्त आधार निर्मित हो, अनुप्रयोग-क्षमता में वृद्धि हो तथा परीक्षा हेतु उच्चतम तैयारी सुनिश्चित हो।

7

## वैयक्तिक विकास

8

विस्तृत प्रदर्शन विश्लेषण, फीडबैक एवं अंतर्दृष्टियाँ अभ्यर्थियों को अपनी क्षमताओं एवं सुधार की आवश्यकताओं को पहचानने में सक्षम बनाते हैं, जिससे वैयक्तिक अध्ययन यात्रा सुनिश्चित होती है।

## समग्र अध्ययन

यह टेस्ट सीरीज़ विषय के मूल भाग के ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक तकनीकों को भी समाहित करती है, जिससे अभ्यर्थी UPSC प्रीलिम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु पूर्णतः सक्षम हो सकें।

9

# समय सारणी

| दिनांक | विषय | पाठ्यक्रम |
|---|---|---|
| 29-6-2025 | प्रीलिम्स टेस्ट-1<br>भूगोल-1 | 1. ब्रह्मांड और पृथ्वी का विकास, पृथ्वी की उत्पत्ति, पृथ्वी का विकास, (उप-विषय: स्तरित संरचना (5 परतें), स्थलमंडल का विकास, वायुमंडल का विकास, जलमंडल का विकास) पृथ्वी का भूवैज्ञानिक इतिहास, जीवन की उत्पत्ति, भूवैज्ञानिक समय पैमाना,<br><br>2. भू-आकृति विज्ञान, पृथ्वी की आंतरिक संरचना, (सूचना के स्रोत, भूकंपीय तरंगें, पृथ्वी की आंतरिक संरचना) भूविज्ञान (खनिज, पृथ्वी की भूपर्पटी के प्रमुख तत्व, चट्टानें (खनिजों का समुच्चय), चट्टानें और भू-आकृतियाँ, चट्टानों के प्रकार, चट्टान चक्र) भूकंप (तरंगें: P, S, निकाय और सतह, प्रकार, छाया क्षेत्र, वितरण) ज्वालामुखी, ज्वालामुखी के प्रकार, लावा के प्रकार, ज्वालामुखीय भू-आकृतियों के प्रकार, ज्वालामुखियों का वितरण, सुनामी, भू-आकृतिक प्रक्रियाएँ, अंतर्जात, बहिर्जात, अनाच्छादन, अपरदन, जन आंदोलन, भू-आकृतियाँ और उनका विकास, कारण, प्रक्रियाएँ, एजेंट - हवाएं, पानी, ग्लेशियर, लहरें, दुनिया भर में भू-आकृतियाँ, पर्वत और चोटियाँ, पठार,<br><br>3. जलवायु विज्ञान, वायुमंडल की संरचना, संरचना, ताप संतुलन, वायुमंडलीय परिसंचरण और मौसम प्रणाली, ग्रहीय पवन, वायु संहति, वायुमंडल में जल - वर्षा के प्रकार, चक्रवात, जेट धाराएं, ध्रुवीय भंवर, एल-नीनो और ला नीना, विश्व जलवायु।<br><br>4. भारत का भौतिक भूगोल, भारत की भौतिक संरचना, जल निकासी, जलवायु, मिट्टी, प्राकृतिक वनस्पति, |
| 06-07-2025 | प्रीलिम्स टेस्ट-2<br>भूगोल-2 | 1.जैव भूगोल, मिट्टी, वनस्पति संसाधन, वनों का वर्गीकरण, वनों का संरक्षण, वानिकी के प्रकार,<br><br>2.समुद्र विज्ञान, सिद्धांत और साक्ष्य, पृथ्वी की सतह पर जल, उच्चावच, तापमान, लवणता, संचलन, धाराएं, संसाधन,<br><br>3. मानव भूगोल, जनसांख्यिकी, जनसंख्या वितरण, जनसंख्या का घनत्व, जनसंख्या का पैटर्न, आयु संरचना, जनसंख्या पिरामिड, माल्थसियन सिद्धांत, मार्क्सवादी सिद्धांत, जनसंख्या नियंत्रण, शहरीकरण, भारत के शहरीकरण की मूल विशेषता और पैटर्न, भारत में शहरीकरण के मुद्दे, ग्रामीण शहरी प्रवास, मलिन बस्तियों का उदय, शहरी परिवहन, अपशिष्ट निपटान, जल आपूर्ति, जल निकासी और स्वच्छता, शहरी गरीबी, समावेशी शहर / स्मार्ट शहर, शहरी बस्तियाँ: प्रकार, प्रवास: पुश कारक और पुल कारक, राष्ट्रीय शहरीकरण नीति, जनगणना, साक्षरता, लिंग अनुपात, परिवार नियोजन, वृद्धावस्था, आयु संरचना, घनत्व, जनसंख्या वृद्धि, जनगणना शब्दावली, जाति जनगणना के मुद्दे,<br><br>4. आर्थिक भूगोल, कृषि, भूमि उपयोग और कृषि, भूमि क्षरण, उठाए गए कदम, सतत भूमि प्रबंधन, भारत में खेती के प्रकार, भारत में फसल मौसम, भारत में प्रमुख फसलें, भारत में फसल पैटर्न, कृषि क्षेत्रीयकरण, बुनियादी ढांचे के कारक: बीज, उर्वरक, सिंचाई, भारत में भूमि उपयोग पैटर्न, भूमि सुधार के रूप में संस्थागत कारक, भारत में बागवानी क्षेत्र, कृषि क्रांतियां, कृषि श्रम, कृषि के लिए मूल्य नीति, कृषि विपणन, कृषि बीमा, कृषि जनगणना, कृषि क्षेत्र में प्रमुख योजनाएं, किसानों के लिए राष्ट्रीय नीति, कृषि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, सतत कृषि क्या है?, कृषि में आईटी का उपयोग, कृषि मुद्दे और चुनौतियां, खनिज संसाधन, खनिजों के प्रकार, खनिजों का वितरण और खनन क्षेत्र, खनिज संसाधनों का संरक्षण, ऊर्जा संसाधन, ऊर्जा का वर्गीकरण, पारंपरिक स्रोत, गैर-पारंपरिक स्रोत, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा संकट, उद्योग, लोहा और इस्पात उद्योग, सूती वस्त्र, रेशम, इंजीनियरिंग उद्योग, ऑटोमोबाइल, जहाज निर्माण, विमान, रासायनिक उद्योग, उर्वरक उद्योग, कृषि आधारित उद्योग, लुगदी और कागज, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, सीमेंट उद्योग, तेल उद्योग, औद्योगिक क्षेत्र, परिवहन और संचार, परिवहन के विभिन्न साधन, अंतर्देशीय जलमार्ग, पाइपलाइन, क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली |

# समय सारणी

| दिनांक | विषय | पाठ्यक्रम |
|---|---|---|
| 13-07-2025 | प्रीलिम्स टेस्ट-3 राजव्यवस्था एवं संविधान | 1. **ऐतिहासिक आधार:** कंपनी शासन (1773-1858), 1773 का रेग्युलेटिंग एक्ट, 1781 का संशोधन अधिनियम, 1784 का पिट्स इंडिया एक्ट, 1786 का एक्ट, 1793 का चार्टर एक्ट, 1813 का चार्टर एक्ट, 1833 का चार्टर एक्ट, 1853 का चार्टर एक्ट, क्राउन शासन (1858-1947), भारत सरकार अधिनियम, 1858, भारतीय परिषद अधिनियम - 1861, भारतीय परिषद अधिनियम - 1892, भारतीय परिषद अधिनियम - 1909 (मार्ले-मिंटो सुधार), भारत सरकार अधिनियम -1919 (मोंटेग्यू - चेम्सफोर्ड सुधार), भारत सरकार अधिनियम, 1935, भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947<br><br>2. **विकास:** संविधान सभा की मांग, अगस्त प्रस्ताव, क्रिप्स मिशन, कैबिनेट मिशन, संविधान सभा का गठन, भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 द्वारा संविधान सभा में किए गए परिवर्तन, संविधान निर्माण के चरण, संविधान सभा की कार्यप्रणाली, संविधान सभा की समितियाँ, भारतीय राज्य, संविधान सभा के अधिवेशन<br><br>3. **भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएं:** संविधान का आकार, कठोरता और लचीलेपन का मिश्रण, सरकार का संसदीय स्वरूप, संसदीय संप्रभुता बनाम न्यायिक सर्वोच्चता, मौलिक अधिकार, डीपीएसपी, मौलिक कर्तव्य, धर्मनिरपेक्ष राज्य, नागरिकता, एकीकृत न्यायपालिका, सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार, कुछ वर्गों से संबंधित विशेष प्रावधान, लोकतांत्रिक प्रणालियों की संरचना, त्रिस्तरीय संरचना, आपातकालीन प्रावधान, भारतीय संविधान के भाग और अनुसूचियां<br><br>4. **संवैधानिक संशोधन:** प्रक्रिया, प्रकार, अनुच्छेद 368.<br><br>5. **बुनियादी संरचना:** विकास, प्रावधान, महत्व, प्रासंगिक मामले,<br><br>6. **प्रस्तावना:** प्रस्तावना के घटक - भारतीय राज्य की प्रकृति, प्रस्तावना का महत्व<br><br>7. **सिटिज़नशिप:** नागरिकता का अधिग्रहण, नागरिकता की हानि, एकल नागरिकता, ओसीआई, एनआरआई, पीआईओ, विदेशियों को विनियमित करने के लिए कानून, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019, एनपीआर, एनआरसी और जनगणना के बीच अंतर<br><br>8. **संघ का क्षेत्र:** भारत का नाम और क्षेत्र, नये राज्यों का प्रवेश या स्थापना, अनुच्छेद 3 और 4, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों का विकास, स्वतंत्रता के बाद राज्यों का पुनर्गठन<br><br>9. **संघीय संरचना:** संघवाद की प्रकृति (असममित, सहकारी, प्रतिस्पर्धी), केंद्र राज्य संबंध (विधायी, प्रशासनिक और वित्तीय संबंध) अंतर्राज्यीय संबंध, क्षेत्रीय परिषद |
| 20-07-2025 | प्रीलिम्स टेस्ट-4 राजव्यवस्था एवं संविधान | 1. **मौलिक अधिकार:** मौलिक अधिकारों की विशेषताएं, राज्य की परिभाषा, कानून की परिभाषा, कानून के समक्ष समानता और कानूनों का समान संरक्षण, कुछ आधारों पर भेदभाव का निषेध, सार्वजनिक रोजगार में अवसर की समानता, अस्पृश्यता का उन्मूलन, उपाधियों का उन्मूलन, भाषण की स्वतंत्रता के बारे में कुछ अधिकारों की सुरक्षा, आदि, अपराधों के लिए दोषसिद्धि के संबंध में सुरक्षा, जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा, शिक्षा का अधिकार, कुछ मामलों में गिरफ्तारी और हिरासत के खिलाफ सुरक्षा, मानव तस्करी और जबरन श्रम का निषेध, बाल श्रम का निषेध, धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार, सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार, अल्पसंख्यकों के हितों की सुरक्षा, शैक्षिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन के लिए अल्पसंख्यकों का अधिकार, संवैधानिक उपचार / रिट का अधिकार, अधिकारों के आवेदन में संशोधन, एफआर के प्रावधानों को प्रभावी करने के लिए कानून, मौलिक अधिकारों के अपवाद |

# समय सारणी

| दिनांक | विषय | पाठ्यक्रम |
|---|---|---|
| | | 2. **राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत:** नीति निदेशक सिद्धांतों की विशेषताएं, गैर-न्यायसंगतता, राज्य की परिभाषा, डी.पी.एस.पी. की गैर-न्यायसंगत प्रकृति, डी.पी.एस.पी. में संशोधन, भाग IV के बाहर के निर्देश, नीति निर्देशक सिद्धांतों की उपयोगिता, मौलिक अधिकारों और राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों के बीच तुलना/संघर्ष<br><br>3. **मौलिक कर्तव्य:** मौलिक कर्तव्यों की विशेषताएँ, स्वर्ण सिंह समिति, मौलिक कर्तव्यों के अनुप्रयोग, मौलिक अधिकारों के साथ तुलना, महत्वपूर्ण निर्णय, वर्मा समिति की टिप्पणियाँ |
| 27-07-2025 | प्रीलिम्स टेस्ट-5<br>राजव्यवस्था एवं संविधान | 1. **संसद** संरचना, चुनाव (लोकसभा और राज्य सभा), अयोग्यता, अवकाश, शपथ, वेतन और भत्ते, पीठासीन अधिकारी, नेता, संसद के सत्र, राष्ट्रपति का अभिभाषण, सदन में मतदान, कार्यवाही का अभिलेख, निरीक्षण तंत्र, संसद में मामले उठाना (प्रस्ताव और विभिन्न घंटे), विधायी प्रक्रिया, बजट, निधि, अनुदान, विशेषाधिकार, प्रक्रिया के नियम, लोकसभा और राज्य सभा के बीच तुलना<br><br>2. **संसदीय समितियां/फोरम/समूह:** मंच एवं समितियां, भारतीय संसदीय समूह, अंतर-संसदीय संघ, राष्ट्रमंडल संसदीय संघ<br><br>3. **राज्य विधायिका:** संरचना, शक्ति, अयोग्यता, अवकाश, शपथ, वेतन और भत्ते, पीठासीन अधिकारी, नेता, राज्य विधानमंडल के सत्र, राज्यपाल का अभिभाषण, सदन में मतदान, कार्यवाही का अभिलेख, निरीक्षण तंत्र, विधानसभा में मामले उठाना (प्रस्ताव और विभिन्न काल), विधायी प्रक्रिया, बजट, निधि, अनुदान, विशेषाधिकार, प्रक्रिया के नियम, LA और LC के बीच तुलना।<br><br>4. **संघ और राज्य कार्यकारिणी** राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रिपरिषद, मंत्रिमंडल, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्य मंत्रिपरिषद<br><br>5. **पंचायतों:** 73वां संविधान संशोधन अधिनियम, पेसा<br><br>6. **नगर पालिका:** 74वां संविधान संशोधन अधिनियम<br><br>7. **न्यायपालिका:** सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, अधीनस्थ न्यायालय, न्यायाधिकरण, लोक अदालतें, भारतीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, ग्राम न्यायालय, वैकल्पिक विवाद समाधान |
| 03-08-2025 | प्रीलिम्स टेस्ट-6<br>पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन | 1. **पारिस्थितिकी:** पारिस्थितिकी के प्रकार, पारिस्थितिक पदानुक्रम, पारिस्थितिकी का दायरा, आवास और पारिस्थितिक निकेत, गहरी बनाम उथली पारिस्थितिकी, पारिस्थितिक सिद्धांत, पारिस्थितिक समुदाय, पारिस्थितिक अनुक्रम, पारिस्थितिकी, पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के बीच अंतर<br><br>2. **पारिस्थितिकी तंत्र:** पारिस्थितिकी तंत्र की परिभाषाएँ, पारिस्थितिकी तंत्र के कार्य और गुण, पारिस्थितिकी तंत्र की संरचना/घटक, अजैविक घटक, जैविक घटक, पारिस्थितिकी तंत्र की गतिशीलता, जैव आवर्धन, जैव-रासायनिक चक्र, जीव के भाग, भू-रासायनिक चक्र, जैव-रासायनिक चक्र के प्रकार, बायोम:<br><br>3. **बायोम:** घास के मैदान, टुंड्रा, रेगिस्तान, थार रेगिस्तान, पर्वतीय बायोम,<br><br>4. जलीय जीवन क्षेत्र: जलीय पारिस्थितिकी तंत्र: संसाधन, महासागर के क्षेत्र<br><br>5. **प्रवाल भित्तियाँ:** भारत में प्रवाल भित्तियाँ<br><br>6. **मैंग्रोव:** भारत में मैंग्रोव भारत में ताजा जल<br><br>7. **झीलों का महत्व:** राष्ट्रीय झील संरक्षण योजना, आर्द्रभूमि और उनका महत्व, रामसर कन्वेंशन, रामसर स्थल, मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड, भारत में आर्द्रभूमि का विस्तार और वितरण, भारत की आर्द्रभूमि का संरक्षण |

# समय सारणी

| दिनांक | विषय | पाठ्यक्रम |
|---|---|---|
| | | **8. जैव विविधता:** जैव विविधता, जैव विविधता के महत्वपूर्ण प्रकार, पारिस्थितिकी तंत्र में विविधता<br><br>**9. कीस्टोन प्रजातियाँ:** संकेतक प्रजातियाँ, आक्रामक प्रजातियाँ, एलोपेट्रिक और सिम्पैट्रिक प्रजाति, जैव सूचना विज्ञान, मेगाडाइवर्स देश,<br><br>**10. जैव विविधता के उपयोग और मूल्य,**वैश्विक जैव विविधता की स्थिति, जैव विविधता के लिए खतरे, जैव विविधता हॉटस्पॉट, पारिस्थितिकी क्षेत्र, जैव विविधता में पारंपरिक ज्ञान की भूमिका, बायोपाइरेसी, प्रजातियों का विलुप्त होना, सामूहिक विलुप्ति, IUCN की वर्गीकरण योजना, संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN रेड-लिस्ट, भारत का जैव-भौगोलिक वर्गीकरण, जैव विविधता संरक्षण, बाह्य-स्थाने सहायता-स्थाने संरक्षण, बीज बैंक, जैव विविधता संरक्षण में चिड़ियाघर, वनस्पति उद्यान, संरक्षित क्षेत्र, दुनिया में संरक्षित क्षेत्रों की स्थिति, यूनेस्को मानव और बायोस्फीयर कार्यक्रम (MAB), बायोस्फीयर रिजर्व की विशेषताएं, जैविक विविधता पर कन्वेंशन, कार्टाजेना प्रोटोकॉल, नागोया प्रोटोकॉल, ऐची,जैव विविधता लक्ष्य (Aichi Biodiversity Targets), भारत के जैव विविधता क्षेत्र, भारत के महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र (IBA), वैश्विक बाघ पहल, प्रोजेक्ट टाइगर, प्रोजेक्ट हाथी, गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए भारतीय गैंडा विजन, रिकवरी कार्यक्रम, प्रदूषण और संबंधित मुद्दे<br><br>**11.वायु प्रदूषण:** राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक, जल प्रदूषण, जल गुणवत्ता मानक, जल प्रदूषण पर नियंत्रण, तापीय प्रदूषण, तापीय प्रदूषण के स्रोत, मृदा प्रदूषण या भूमि क्षरण, ध्वनि प्रदूषण, प्रकाश प्रदूषण, कार्सिनोजेन्स, विधायी और संस्थागत उपाय, जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभाव, महानगरों में प्रदूषण, समुद्र स्तर में वृद्धि, हीटवेव, शहरी ताप द्वीप, मीथेन उत्पादन, हिम का पिघलना<br><br>**12.जलवायु परिवर्तन पहल,**सम्मेलन और संगठन (भारत और विश्व), पर्यावरण कानून: पर्यावरण संरक्षण के लिए भारतीय संविधान में प्रावधान, वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की मुख्य विशेषताएं, जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की मुख्य विशेषताएं, वन संरक्षण अधिनियम, 1980 की मुख्य विशेषताएं, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की मुख्य विशेषताएं, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की मुख्य विशेषताएं, पर्यावरण संरक्षण में सरकार की भूमिका, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राष्ट्रीय हरित अधिकरण, भारतीय वन सर्वेक्षण, राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड, यूएनईपी, यूएनडीपी, जैविक विविधता केंद्र, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ फॉर नेचर, आईयूसीएन - रेड लिस्ट, बर्डलाइफ इंटरनेशनल, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/प्रोटोकॉल और उनके उद्देश्य<br><br>**आपदा प्रबंधन**<br><br>**1. प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाएँ:** आपदाओं के प्रकार, भारत की भेद्यता प्रोफ़ाइल, भूकंप, सुनामी, भूस्खलन, बाढ़, सूखा, महामारी, परमाणु रिएक्टर, विस्फोट, बांध का टूटना, गैस रिसाव, तेल रिसाव, ज्वालामुखी विस्फोट, वनाग्नि<br><br>**2. आपदा प्रबंधन, तैयारी और शमन:** आपदाओं का प्रबंधन, सामुदायिक प्रबंधन, आपदाओं से निपटने के लिए सरकारी पहल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005, आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए वैश्विक रूपरेखा, आपदा बीमा, आपदा प्रबंधन में मीडिया की भूमिका, आपदाओं के लैंगिक निहितार्थ, आपदा प्रबंधन चक्र, आपदा प्रबंधन में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका, आपदा पूर्व तैयारी |

# समय सारणी

| दिनांक | विषय | पाठ्यक्रम |
|---|---|---|
| 10-08-2025 | प्रीलिम्स टेस्ट- 7<br>भारतीय अर्थव्यवस्था | 1. **अर्थव्यवस्था (मूल बातें) -** आर्थिक प्रणाली, अर्थव्यवस्था के चार क्षेत्र, उत्पादन के चार कारक, उपभोग और पूंजीगत सामान, आय का चक्रीय प्रवाह, निवेश और बचत, मूल्य वर्धित, जीडीपी का व्यय और आय दृष्टिकोण, राष्ट्रीय आय लेखांकन, बाजार मूल्य और कारक लागत पर जीडीपी, वास्तविक और नॉमिनल जीडीपी, आधार प्रभाव, प्रति व्यक्ति आय, आर्थिक विकास चालक, आर्थिक विकास और विकास के बीच अंतर, मानव पूंजी निर्माण, ग्रीन जीडीपी और कार्बन टैक्स, व्यापार चक्र, प्रवृत्ति वृद्धि और संभावित जीडीपी, उत्पादकता, पूंजी निर्माण और आईसीओआर, मुद्रास्फीति सूचकांक: जीडीपी डिफ्लेटर, सीपीआई, डब्ल्यूपीआई, नॉमिनल विनिमय दर (एनईआर और एनईईआर), वास्तविक विनिमय दर (आरईआर और आरईईआर), क्रय शक्ति समता (पीपीपी)<br><br>2. **मुद्रा और बैंकिंग:** भारत में बैंकिंग: परिभाषा, संरचना और कार्य, बैंकिंग प्रणाली की उत्पत्ति, भारत में बैंकों के प्रकार, भारत में बैंकों का राष्ट्रीयकरण भारत, एनपीए, नियो बैंक, बैड बैंकों की अवधारणा, बैंक निजीकरण, खाता एग्रीगेटर सिस्टम, घरेलू व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण बैंक (डी-एसआईबी), मौद्रिक नीति के उपकरण पूर्व-सुधार युग में मौद्रिक नीति (1948-1991), सुधार के बाद के काल में मौद्रिक नीति (1991 से), उर्जित पटेल समिति की रिपोर्ट, मौद्रिक नीति समिति और मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण<br><br>3. **भारतीय वित्तीय प्रणाली -** एक अवलोकन भारतीय वित्तीय प्रणाली के घटक, वित्तीय संस्थान, बैंकिंग संस्थान, वित्तीय संपत्ति, वित्तीय बाजार कॉल मनी, नोटिस, मनी, टर्म मनी, ट्रेजरी बिल, जमा प्रमाणपत्र, वाणिज्यिक पत्र वित्तीय सेवाएं (बैंकिंग सेवाएं, बीमा सेवाएं, निवेश सेवाएं, विदेशी मुद्रा सेवाएं) (पूंजी बाजार, मुद्रा बाजार, विदेशी मुद्रा बाजार, क्रेडिट बाजार)<br><br>4. **सरकारी बजट:** बजट प्रक्रिया, बजट के प्रकार, लैंगिक बजट, आउटकम बजट, शून्य आधारित बजट, सरकारी लेखा, राजस्व और पूंजीगत बजट, राजकोषीय, राजस्व और प्राथमिक घाटा, राजकोषीय नीति और इसके प्रकार, घाटे और ऋण पर परिप्रेक्ष्य, घाटे का मुद्रीकरण और घाटे का वित्तपोषण, एफआरबीएम अधिनियम 2003, रणनीतिक विनिवेश, भारत की कर प्रणाली, विभिन्न प्रकार के कर, प्रत्यक्ष कर और सुधार, वस्तु और सेवा कर (जीएसटी), स्थानांतरण मूल्य निर्धारण और अग्रिम मूल्य निर्धारण समझौता (एपीए), आधार क्षरण लाभ स्थानांतरण, द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी), वित्त आयोग और केंद्र से राज्यों |
| 17-08-2025 | प्रीलिम्स टेस्ट-8<br>भारतीय अर्थव्यवस्था | 1. **भारतीय अर्थव्यवस्था के मुद्दे:** स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था, भारत में नियोजन और उसके उद्देश्य, नियोजन के प्रकार, स्वतंत्रता के बाद की औद्योगिक नीति, भुगतान संतुलन (BoP) संकट, 1991 के LPG सुधार और उसका प्रभाव, अर्थव्यवस्था का कृषि से सेवाओं की ओर बढ़ना, नीति आयोग, मेक इन इंडिया, स्मार्ट विनिर्माण (उद्योग 4.0), भूमि बैंक और PLI योजना, मुख्य उद्योग और IIP, MSME, ई-कॉमर्स और खुदरा में FDI, स्टार्ट-अप और नवाचार, आत्मनिर्भर भारत<br><br>2. **समावेशी विकास:** समावेशी विकास और चुनौतियाँ, भारत में गरीबी का अनुमान, जनसांख्यिकीय लाभांश, नए श्रम संहिता, निश्चित अवधि रोजगार, PLFS और AQEES, सतत विकास<br><br>3. **विदेशी व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय संगठन:** अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, व्यापार नीति, भारत का भुगतान संतुलन, विदेशी पूंजी, भारत में FDI और FPI, पूंजी और चालू खाता परिवर्तनीयता, ब्रेटन वुड्स संस्थान, विश्व व्यापार संगठन (WTO) और भारत, ADB, NDB, ब्रिक्स बैंक, AIIB, महत्वपूर्ण रिपोर्ट और पूर्वानुमान<br><br>4. **भूमि सुधार:** स्वतंत्रता के बाद के युग में भूमि सुधार, भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013, मॉडल कृषि भूमि पट्टा अधिनियम 2016, भूमि पूलिंग नीति |

# समय सारणी

| दिनांक | विषय | पाठ्यक्रम |
|---|---|---|
| | | **5. एलपीजी सुधार-** प्रभाव आकलन<br><br>**6. भारत में अवसंरचना विकास:** संक्षिप्त इतिहास, सार्वजनिकनिजी भागीदारी (पीपीपी), मुद्दे और चुनौतियाँ, एसपीवी, जेवीसी, बीओटी आदि। सड़क क्षेत्र: ईपीसी, वार्षिकी, एचएएम, टोल, टीओटी,रेलवे: डीएफसी, एचएसआर, आरडीए और सुधार, हवाई अड्डे और उड़ान योजना, बंदरगाह, एसईजेड, सीईजेड और सागरमाला, मल्टी-मॉडल<br>लॉजिस्टिक्स पार्क, कोयला और बिजली क्षेत्र, नवीकरणीय ऊर्जा: सौर, पवन, जलविद्युत आदि, तेल और गैस क्षेत्र और आईजीएक्स, स्मार्ट शहर और अमृत, एनआईआईएफ, आरईआईटी और इनविट, राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी), राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी)<br><br>**7. औद्योगिक नीति और औद्योगिक विकास:** महालनोबिस रणनीति और भारत की औद्योगिक नीति, औद्योगिक<br>विकास के चरण, अर्थव्यवस्था पर उदारीकरण के प्रभाव, विभिन्न क्षेत्रों पर प्रभाव, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र, विनिवेश और निजीकरण की रणनीतियाँ, लघु, मध्यम और सूक्ष्म उद्यमों की भूमिका<br><br>**8. अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान:** आईएमएफ, विश्व बैंक, एआईआईबी, एडीबी, डब्ल्यूटीओ, आदि। |
| **24-08-2025** | **प्रीलिम्स टेस्ट -9**<br>**शासन** | **1. संवैधानिक निकाय:** यूपीएससी/एसपीएससी, वित्त आयोग, चुनाव आयोग (एवं SEC), नीति आयोग, अटॉर्नी जनरल, राज्य के एडवोकेट जनरल, सीएजी, माल और सेवा कर परिषद, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी), राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी), राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी), भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विशेष अधिकारी<br><br>**2. वैधानिक, नियामक और अर्ध-न्यायिक निकाय:** केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी), राज्य सूचना आयोग (एसआईसी), राष्ट्रीय/राज्य मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी, एसएचआरसी), केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), भारत में लोकपाल और लोकायुक्त, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू), राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (एनसीएम), विकलांग व्यक्तियों के लिए मुख्य आयुक्त, राष्ट्रीय हरित अधिकरण, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी), भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई), भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई), भारतीय विधि आयोग, प्रवर्तन निदेशालय, परिसीमन आयोग<br><br>**3. सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप:** विभिन्न क्षेत्रों में विकास तथा उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे: वृद्धि और विकास, समानता, (पारस्परिक और अंतरक्षेत्रीय) और सामाजिक न्याय, शासन और उभरते क्षेत्र, सरकारी हस्तक्षेप<br><br>**4. शासन के महत्वपूर्ण पहलू:** नागरिक केंद्रित शासन, सुशासन की विशेषताएं, जवाबदेही, विधायी जवाबदेही, प्रशासनिक जवाबदेही, न्यायिक जवाबदेही, पारदर्शिता, आरटीआई, लोकपाल लोकपाल, लोकपाल, व्हिसलब्लोअर संरक्षण अधिनियम, नागरिकों की भूमिका, मीडिया की भूमिका, सामाजिक अंकेक्षण, सोशल मीडिया और जवाबदेही, विकेंद्रीकरण, प्रतिनिधिमंडल, प्रतिनिधिमंडल बनाम विकेंद्रीकरण, नीचे से ऊपर शासन, ई-गवर्नेंस, अनुप्रयोग, मॉडल, सफलता और सीमाएं, सरकार द्वारा उपयोग में ई-गवर्नेंस, द्वितीय एआरसी सिफारिशें, नागरिक चार्टर, मॉडल, विशेषताएं, कार्यान्वयन संबंधी मुद्दे, सुधार की आवश्यकता, सेवोत्तम फ्रेमवर्क, नागरिक और नागरिक चार्टर, द्वितीय एआरसी सिफारिशें, लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका, |

# समय सारणी

| दिनांक | विषय | पाठ्यक्रम |
|---|---|---|
| | | सिविल सेवाओं की अवधारणा, सिविल सेवाओं की आवश्यकता, सिविल सेवाओं की विभिन्न भूमिका, कानून बनाना, नीति निर्माण, नीति कार्यान्वयन, नीति मूल्यांकन, लोकतंत्र के रक्षक के रूप में सिविल सेवाएं, अल्पसंख्यकों (धार्मिक और भाषाई) की रक्षा के लिए, समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए,<br><br>5. **नागरिक सेवाएं-** लोकतंत्र की गतिशीलता, स्वतंत्रता के बाद सिविल सेवाएं, सिविल सेवाओं के लिए उभरती चुनौतियां, सुधार - लैटरल प्रवेश, सामान्य बनाम विशेषज्ञ नौकरशाही, कैडर |
| 31-08-2025 | प्रीलिम्स टेस्ट-10<br>अंतर्राष्ट्रीय संबंध | **भारतीय विदेश नीति का विकास और प्रमुख सिद्धांत**<br>1. **भारतीय विदेश नीति का विकास और प्रमुख सिद्धांत:** भारतीय विदेश नीति, विकास निर्धारक, भारत की विदेश नीति को निर्धारित करने वाले कारक, गुटनिरपेक्ष आंदोलन, NAM 2.0, पंचशील, भारत का परमाणु सिद्धांत, पड़ोस नीति का विकास पूर्व की ओर देखो नीति, पूर्व की ओर कार्य करो नीति पश्चिम की ओर देखो नीति, पश्चिम की ओर कार्य करो नीति, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था,<br><br>2. **भारतीय प्रवासी:** भारतीय प्रवासियों द्वारा निभाई गई भूमिका, विदेशों में भारतीयों की सुरक्षा का मुद्दा, प्रवासी भारतीयों के कल्याण के लिए योजनाएं,<br><br>3. **द्विपक्षीय संबंध:** भारत और पड़ोसी:भारत-नेपाल, भारत और भूटान, भारत-अफगान द्विपक्षीय संबंध, भारत-बांग्लादेश, भारत-मालदीव, भारत-श्रीलंका, भारत-म्यांमार, भारत-पाक, भारत-चीन संबंध, हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियां, भारत और विस्तारित पड़ोस (मध्य एशिया, पश्चिम एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया)<br><br>4. **भारत और विकसित विश्व:** भारत-अमेरिका, भारत-रूस, भारत-ईयू, भारत-ऑस्ट्रेलिया<br><br>5. **भारत और विकासशील विश्व:** वैश्विक दक्षिण और भारत, भारत और अफ्रीका, भारत और लैटिन अमेरिका, भारत।<br><br>6. **भारत और क्षेत्रीय समूह:** आसियान, एससीओ, बिम्सटेक, बीबीआईएन, सार्क,<br><br>7. **बहुपक्षीय समूह:** "संयुक्त राष्ट्र और इसकी संरचना, भारत और संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन, भारत और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आर्थिक और सामाजिक परिषद, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे), संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसियां, खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ), अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ), अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ), अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और इसकी विश्वसनीयता पर सवाल, विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ), डब्ल्यूआईपीओ, विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा |
| 21-09-2025 | प्रीलिम्स टेस्ट-11<br>प्राचीन एवं मध्यकालीन इतिहास और संबंधित कला एवं संस्कृति | 1. **भारत में प्रागैतिहासिक संस्कृतियाँ:** प्रागैतिहासिक काल, पाषाण काल, पुरापाषाण काल, मध्यपाषाण काल, नवपाषाण काल, ताम्रपाषाण काल, लौह युग (1500 ई.पू.-200 ई.पू.) के स्रोत।<br><br>2. **सिंधु घाटी सभ्यता:** हड़प्पा सभ्यता या सिंधु घाटी सभ्यता, प्रमुख शहर, नगर नियोजन, हड़प्पा आंतरिक और विदेशी व्यापार, कृषि, पशुओं का पालन, शिल्प, वजन और माप, लिपि और भाषा, हड़प्पा समाज, हड़प्पा धर्म, हड़प्पा अर्थव्यवस्था, हड़प्पा शवदाह प्रणाली, हड़प्पा कला और वास्तुकला, हड़प्पा संस्कृति का पतन। |

# समय सारणी

| दिनांक | विषय | पाठ्यक्रम |
|---|---|---|
| | | **3. वैदिक सभ्यता:** आर्यों का मूल निवास, आर्य संस्कृति की विशेषताएँ, वैदिक ग्रंथ और उपनिषद, वैदिक समाज और संस्कृति के पुनर्निर्माण के स्त्रोत, ऋग्वेदिक काल का भूगोल और बाद के वैदिक चरणों का भूगोल, आर्थिक स्थितियाँ, राजनीतिक संगठन और राजशाही का विकास, सामाजिक संगठन और वर्ण व्यवस्था, धर्म और विचार।<br><br>**4. मौर्य पूर्व काल:** राज्यों का गठन, सोलह महाजनपद, गणसंघ या गणराज्य, नगरीय केंद्रों का उदय, सिक्का, हर्यक वंश, शिशुनाग वंश, नंद वंश।<br><br>**5. जैन धर्म और बौद्ध धर्म:** विशेषताएं, सिद्धांत, विकास, प्रसिद्ध व्यक्तित्व।<br><br>6. मौर्य साम्राज्य, चंद्रगुप्त और बिंदुसार, अर्थशास्त्र, मेगस्थनीज, अशोक और उसके उत्तराधिकारी, अशोक के शिलालेख और स्थल, अशोक का धम्म, मौर्य प्रशासन, अर्थव्यवस्था, समाज और कला, मौर्य का पतन।<br><br>7. मौर्योत्तर भारत (ईसा पूर्व 200-ईस्वी 300), इंडो-यूनानियों, शकों, पार्थियन और कुषाणों का आगमन, बाहरी दुनिया के साथ वाणिज्यिक संपर्क, सातवाहन और अन्य स्वदेशी राजवंश, समाज: जातियों का विकास, कला शैली: गांधार; मथुरा; अमरावती,,<br><br>8. गुप्त काल, गुप्त शासन के स्त्रोत, गुप्तों का राजनीतिक इतिहास, फाहियान की यात्रा, गुप्त प्रशासन, कला और संस्कृति का विकास, गुप्त साम्राज्य: स्वर्ण युग की अवधि, आर्थिक स्थितियाँ, गुप्त काल में शहरी केंद्र।<br><br>**9. हर्षवर्धन:** स्त्रोत, हर्ष का प्रारंभिक जीवन, हर्ष का प्रशासन, साम्राज्य के महत्वपूर्ण अधिकारी, हर्ष के अधीन अर्थव्यवस्था, ह्वेन त्सांग का आगमन, समाज, धर्म।<br><br>10. शेष एशिया के साथ भारत के संपर्क, विदेशों में बौद्ध धर्म का प्रचार, रोमन साम्राज्य के साथ भारत के संपर्क, व्यापार और चीनी रेशम मार्ग, कनिष्क का शासनकाल, दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति का प्रसार।<br>11. संगम काल (दक्षिण भारतीय राजवंश), संगम साहित्य, चोल, चेर, पांड्य, संगम राजव्यवस्था, समाज और संस्कृति, संगम काल की अर्थव्यवस्था, विदेशी राजवंश |
| 28-09-2025 | प्रीलिम्स टेस्ट -12 मध्यकालीन इतिहास और संबंधित कला एवं संस्कृति | 1. प्रारंभिक मध्यकालीन भारत के प्रमुख राजवंश (750-1200), प्रतिहार (8वीं से 10वीं शताब्दी), पाल (8वीं से 11वीं शताब्दी), त्रिपक्षीय संघर्ष, सेना (11वीं से 12वीं शताब्दी), राजपूत, पल्लव, चालुक्य, राष्ट्रकूट।<br><br>2. शाही चोल, चोल शासक और राजनीतिक इतिहास, चोल प्रशासन, सामाजिक-आर्थिक जीवन, शिक्षा और साहित्य, चेर (9वीं से 12वीं शताब्दी), यादव (12वीं से 13वीं शताब्दी), दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ संपर्क<br><br>3. प्रारंभिक मुस्लिम आक्रमण, सिंध पर अरब विजय, महमूद गजनवी, मुहम्मद गोरी,<br><br>4. दिल्ली सल्तनत (1206-1526 ई.), गुलाम वंश, खिलजी वंश (1290-1320 ई.), तुगलक वंश (1320-1414 ई.), प्रांतीय राज्य और भारतीय प्रमुखों द्वारा प्रतिरोध, सैय्यद वंश, लोदी वंश, मंगोलों और अन्य तुर्कों द्वारा आक्रमण, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, शहरीकरण, समाज और संस्कृति, वैज्ञानिक ज्ञान और कानूनी प्रणाली<br><br>5. विजय नगर साम्राज्य, स्त्रोत, इतिहास, सामाजिक राजनीतिक एवं आर्थिक आयाम |

# समय सारणी

| दिनांक | विषय | पाठ्यक्रम |
|---|---|---|
| | | 6. मुगल काल, तैमूर, तैमूर-उज्बेक, पानीपत का युद्ध, बाबर और उसके योगदान, हुमायूं और अफगान, सूर वंश, अकबर - पानीपत का दूसरा युद्ध, अकबर के अधीन राज्य और सरकार, अकबर के धार्मिक विचार (उप-विषय: इबादत खाना, उलमा - मदद-ए-माश अनुदान का पुनर्गठन, दीन-ए-इलाही, नीतियां और धार्मिक सहिष्णुता), दक्कन और मुगल, शाहजहाँ और उसका शासन, जहाँगीर का राज्याभिषेक, शासन और योगदान, औरंगजेब - धार्मिक नीतियां, उत्तर भारत और राजपूत, मुगल साम्राज्य का चरमोत्कर्ष और संकट, मराठा और दक्कन (उप-विषय- शिवाजी का उदय, पुरंदर की संधि, औरंगजेब और दक्कनी राज्य, औरंगजेब का लगान (कर) और जागीरदारी संकट) मुगल समाज (उप-विषय: ग्रामीण समाज, शहर और नगरीय जीवन, कारीगर और मास्टर-कारीगर, महिलाएं, नौकर और दास, जीवन स्तर, शासक वर्ग - कुलीनता, ग्रामीण भद्रजन, मध्य वर्ग, वाणिज्यिक वर्ग) धर्म, ललित कला, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अठारहवीं शताब्दी के पूर्वार्ध में उत्तरी भारत (उप-विषय: बहादुर शाह प्रथम, और संघर्ष की शुरुआत, विजारत संबंधी - राजपूत मामले, सैयद बंधुओं का संघर्ष, बहादुर शाह प्रथम, और संघर्ष की शुरुआत, विजारत संबंधी - राजपूत मामले, मराठा और दक्कन, सैयद बंधुओं का संघर्ष, 'नया' विजारत, सैयद 'नया' विजारत, एम. अमीन खान और निजाम-उल-मुल्क का विजारत, क्षेत्रीय राज्यों का उदय, भारत पर विदेशी आक्रमणों की शुरुआत (1725-48)। गुजरात और मालवा में मराठों का कब्जा, दोआब और पंजाब में मराठों का कब्जा, प्रथम चरण (1741-52), द्वितीय चरण (1752 |
| 05-10-2025 | प्रीलिम्स टेस्ट -13<br>आधुनिक इतिहास | 1. 1857 से पहले का युग, बाद के मुगल और उनका पतन, 18 वीं शताब्दी में क्षेत्रीय शक्तियां, भारत में यूरोपीय लोगों का आगमन, भारत पर ब्रिटिश विजय, कर्नाटक युद्ध, प्लासी और बक्सर की लड़ाई, एंग्लो-मैसूर युद्ध, एंग्लो पंजाब युद्ध, 1857 से पहले ब्रिटिश प्रशासन, ब्रिटिश आर्थिक नीति,<br><br>2. 1857 का विद्रोह: 1857 के विद्रोह के कारण, 1857 के विद्रोह के नेता, 1857 के विद्रोह का दमन, 1857 के विद्रोह की प्रकृति, 1857 के विद्रोह के परिणाम,<br><br>3. प्रारंभिक राष्ट्रवाद, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (1858-1905), प्रारंभिक राष्ट्रवादी और स्वदेशी आंदोलन, भारत सरकार अधिनियम 1909, होमरूल लीग आंदोलन।<br><br>4. स्वराज के लिए संघर्ष, मोंटेग्यू स्टेटमेंट - अगस्त 1917, गांधी का उदय - एक जन नेता के रूप में, खिलाफत और असहयोग आंदोलन (NCM), स्वराज पार्टी, क्रांतिकारी आतंकवाद चरण II (1920), साइमन कमीशन और नेहरू रिपोर्ट, |
| 12-10-2025 | प्रीलिम्स टेस्ट -14<br>आधुनिक इतिहास | 1. सविनय अवज्ञा का युग, सविनय अवज्ञा आंदोलन, गोलमेज सम्मेलन, पूना समझौता, भारत सरकार अधिनियम 1935, त्रिपुरी अधिवेशन - 1939, अगस्त प्रस्ताव, व्यक्तिगत सत्याग्रह 1940-41।<br><br>2. स्वतंत्रता संघर्ष, रियासतों में संघर्ष, द्वितीय विश्व युद्ध और राष्ट्रवादी प्रतिक्रिया,<br><br>3. भारत का विभाजन, सांप्रदायिकता का उदय, वेवेल योजना, कैबिनेट मिशन योजना, माउंटबेटन योजना,<br><br>4. विविध, भारतीय पुनर्जागरण/सामाजिक-धार्मिक आंदोलन, ब्रिटिश काल के दौरान नागरिक विद्रोह, ब्रिटिश काल के दौरान आदिवासी आंदोलन, ब्रिटिश काल के दौरान किसान आंदोलन, श्रमिक वर्ग आंदोलन (1850-1900), सांप्रदायिकता का विकास, राष्ट्रीय आंदोलन में वामपंथी और साम्यवादी रुझान, ब्रिटिश काल के दौरान प्रेस और शिक्षा, स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका, भारत के गवर्नर जनरल, भारत के वायसराय, महत्वपूर्ण व्यक्तित्व, महत्वपूर्ण समाचार पत्र/पत्रिकाएँ, कांग्रेस अधिवेशन |

# समय सारणी

| दिनांक | विषय | पाठ्यक्रम |
|---|---|---|
| 16-11-2025 | प्रीलिम्स टेस्ट -15<br>कृषि | "प्रमुख फ़सलें - देश के विभिन्न भागों में फ़सल पैटर्न, - विभिन्न प्रकार की सिंचाई और सिंचाई प्रणालियाँ; कृषि उपज का भंडारण, परिवहन और विपणन और संबंधित समस्याएँ और बाधाएँ; किसानों की सहायता के लिए ई-प्रौद्योगिकी। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कृषि सब्सिडी और न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित मुद्दे; सार्वजनिक वितरण प्रणाली - उद्देश्य, कार्यप्रणाली, सीमाएँ, सुधार; बफर स्टॉक और खाद्य सुरक्षा के मुद्दे; प्रौद्योगिकी मिशन; पशुपालन का अर्थशास्त्र। भारत में खाद्य प्रसंस्करण और संबंधित उद्योग - कार्यक्षेत्र और महत्व, स्थान, अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम आवश्यकताएँ, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन। भारत में भूमि सुधार।" |
| 30-11-2025 | प्रीलिम्स टेस्ट -16<br>विज्ञान और प्रौद्योगिकी | 1. **रसायन विज्ञान:** तत्व और अणु, पदार्थ की अवस्थाएँ, परमाणु संरचना, रासायनिक बंधन, धातु और अधातु, धातुकर्म, अम्ल और क्षार, इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री के अनुप्रयोग (बैटरी और चार्जिंग डिवाइस), रोजमर्रा के जीवन में रसायन, पॉलिमर और बायोपॉलिमर, फार्मास्यूटिकल्स का रसायन, कार्बन और इसके अलोट्रोप, हाइड्रोकार्बन और उनके व्युत्पन्न, बायोमॉलीक्यूल्स, विटामिन और एंजाइम।<br><br>2. **भौतिकी:** मूल कणों के गुण, मूल बल, ऊर्जा और इसके विभिन्न प्रकार, प्रकाशिकी, विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम, भौतिकी में नियम और सिद्धांत, सापेक्षता, विद्युत चुंबकत्व, ऊष्मा और ऊष्मागतिकी, तरंगें, यांत्रिक, विद्युत चुम्बकीय तरंगें, ब्रह्मांड, ग्रह, तारे और आकाशगंगाएँ, बिग-बैंग सिद्धांत और विलक्षणता, डार्क मैटर और ऊर्जा, ब्लैक होल, न्यूट्रिनो वेधशाला, गुरुत्वाकर्षण तरंगें, सनस्पॉट, मैग्नेटर्स और न्यूट्रॉन तारे, उप-परमाणु कण।<br><br>3. **जीवविज्ञान:** जीवन के रासायनिक निर्माण खंड, जीवन का इतिहास और उत्पत्ति, उप-विषय: i) जीवित घटक की विविधता: वायरस, प्रोकैरियोट्स, यूकेरियोट्स, प्रोटिस्ट, पौधे, कवक, जानवर, ii) आनुवंशिकी, वंशानुक्रम, डीएनए और आरएनए, जीन अभिव्यक्ति, जीन विनियमन, उत्परिवर्तन। iii) कोशिकाएं: कोशिका संरचना, झिल्ली, कोशिका-कोशिका इंटरैक्शन, श्वसन, ऊर्जा और चयापचय, कोशिका विभाजन, ऊतक, उपकला ऊतक, संयोजी ऊतक, पेशीय ऊतक, तंत्रिका, मायोकार्डियल, यकृत। iv) अंग प्रणाली और मानव शरीर क्रिया विज्ञान: अंतःस्रावी तंत्र, श्वसन प्रणाली, संचार प्रणाली, कंकाल और मांसपेशी प्रणाली, प्रजनन, उत्सर्जन, परासरण और ताप नियंत्रण, पाचन तंत्र, प्रतिरक्षा प्रणाली। v) पोषण: ऊर्जा और कार्बन के स्रोत द्वारा वर्गीकरण, पौधे का पोषण, पशु पोषण, मानव आहार। vi) पादप कार्यिकी: प्रकाश संश्लेषण, श्वसन, पादप-जल संतुलन, प्रजनन। vii) जैविक ईंधन उत्पादन: जीवाश्म ईंधन का उत्पादन और महत्व, बायोमास से जैव ईंधन, बायोडीजल, प्राकृतिक गैस और पेट्रोलियम, हाइड्रोजन viii) जैव प्रौद्योगिकी: आनुवंशिक इंजीनियरिंग, प्रक्रिया और अनुप्रयोग, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, आरएनए प्रकार और प्रौद्योगिकी, जीनोम अनुक्रमण और इसके अनुप्रयोग, पर्यावरण में जैव प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग, पादप जैव प्रौद्योगिकी, खाद्य और पेय उद्योग में जैव प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग, कृषि में जैव प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग, जैव प्रौद्योगिकी और चिकित्सा, ix) मानव स्वास्थ्य और रोग<br><br>4. **अंतरिक्ष:** कक्षाओं के प्रकार, प्रक्षेपण वाहनों के प्रकार, प्रमुख अंतरिक्ष मिशन, इसरो और राष्ट्रीय विकास में इसकी भूमिका, अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र, सार्वजनिक-निजी भागीदारी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, नेविगेशन,<br><br>5. **रक्षा:** मिसाइल प्रणाली और वर्गीकरण, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल, भारत की मिसाइल प्रणाली, एकीकृत निर्देशित मिसाइल कार्यक्रम, हथियार प्रणाली,<br><br>6. रक्षा सुधार, रक्षा प्लेटफॉर्म, रक्षा संगठन, रक्षा अभ्यास, आपदाएँ, परमाणु ऊर्जा विकास में शामिल संस्थान<br><br>7. **इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार:** कंप्यूटर, सूचना प्रौद्योगिकी,डिस्प्ले टेक्नोलॉजीज, मोबाइल जेनरेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बिग डेटा, साइबर अपराध और सुरक्षा, |

# समय सारणी

| दिनांक | विषय | पाठ्यक्रम |
|---|---|---|
| | | 8. **नैनो टेक्नोलॉजी:** नैनो टेक्नोलॉजी की मूल बातें, नैनो मटेरियल, एप्लीकेशन,<br>9. रोबोटिक्स और एआई,<br>10. **बौद्धिक संपदा अधिकार:** परिभाषा, आईपीआर के प्रकार, अंतर्राष्ट्रीय समझौते और संस्थान, भारत में आईपीआर व्यवस्था, राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार नीति।<br>11. **संस्थान और नीति:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, सीएसआईआर, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड |

# मासिक करेंट अफेयर्स टेस्ट

| टेस्ट | माह एवं वर्ष |
|---|---|
| करेंट अफेयर्स टेस्ट-1 | जनवरी 2025 करेंट अफेयर्स (50 प्रश्न) |
| करेंट अफेयर्स टेस्ट-2 | फरवरी 2025 करेंट अफेयर्स (50 प्रश्न) |
| करेंट अफेयर्स टेस्ट-3 | मार्च 2025 करेंट अफेयर्स (50 प्रश्न) |
| करेंट अफेयर्स टेस्ट-4 | अप्रैल 2025 करेंट अफेयर्स (50 प्रश्न) |
| करेंट अफेयर्स टेस्ट-5 | मई 2025 करेंट अफेयर्स (50 प्रश्न) |
| करेंट अफेयर्स टेस्ट-6 | जून 2025 करेंट अफेयर्स (50 प्रश्न) |
| करेंट अफेयर्स टेस्ट-7 | जुलाई 2025 करेंट अफेयर्स (50 प्रश्न) |
| करेंट अफेयर्स टेस्ट-8 | अगस्त 2025 करेंट अफेयर्स (50 प्रश्न) |
| करेंट अफेयर्स टेस्ट-9 | सितम्बर 2025 करेंट अफेयर्स (50 प्रश्न) |
| करेंट अफेयर्स टेस्ट-10 | अक्टूबर 2025 करेंट अफेयर्स (50 प्रश्न) |
| करेंट अफेयर्स टेस्ट-11 | नवंबर 2025 करेंट अफेयर्स (50 प्रश्न) |
| करेंट अफेयर्स टेस्ट-12 | दिसंबर 2025 करेंट अफेयर्स (50 प्रश्न) |
| करेंट अफेयर्स टेस्ट-13 | जनवरी 2026 करेंट अफेयर्स (50 प्रश्न) |
| करेंट अफेयर्स टेस्ट-14 | फरवरी 2026 करेंट अफेयर्स (50 प्रश्न) |
| करेंट अफेयर्स टेस्ट-15 | मार्च 2026 करेंट अफेयर्स (50 प्रश्न) |
| करेंट अफेयर्स टेस्ट-16 | अप्रैल 2026 करेंट अफेयर्स (50 प्रश्न) |

**नोट:** सभी टेस्ट माह के अंतिम सप्ताह में आयोजित किये जायेंगे !

**चरण III - 16 सिम्युलेटर टेस्ट**

76-4000-3000

# Our Prices

~~Price: ₹15,999~~

## ₹4,999

76-4000-3000